This question paper contains 3 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **8964**

Unique Paper Code : **2052501** **F-4**

Name of the Paper : **Hindi Katha Sahitya (हिंदी कथा साहित्य)**

Name of the Course : **हिंदी, एलाइड पाठ्यक्रम**

Semester : **IV**

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

1. निम्नलिखित प्रत्येक वर्ग में से **एक-एक** विषय पर टिप्पणी लिखिए :

   (क) (*i*) कथा-भाषा

   (*ii*) कथा-संरचना । 8

   (ख) (*i*) उपन्यास के तत्त्व

   (*ii*) उपन्यास संरचना । 7

2. "'पचपन खंभे लाल दीवारें' उपन्यास में आधुनिक मध्य वर्ग के पारिवारिक जीवन का यथार्थ चित्रण हुआ है ।" इस कथन का परीक्षण कीजिए । 14

अथवा

'नील' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

3. 'खितीन बाबू' कहानी जीवन की जय का उद्घोष करती है । स्पष्ट कीजिए । 14

P.T.O.

अथवा

'परदा' कहानी की मूल संवेदना पर विचार कीजिए ।

4. " 'वाङ्चू' में भीष्म साहनी की कहानी-कला का उत्कर्ष दिखाई देता है ।" स्पष्ट कीजिए । 14

अथवा

'अशोक और रेनू की असली कहानी' के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।

5. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 9

पर सच बात यह है, सुषमा, कि मैं अपने इस जीवन से बुरी तरह ऊब गई हूँ । लेक्चर्स और ट्यूटोरियल में बंधी हमारी संकुचित जिंदगी, छोटे-छोटे झगड़े, पर-निंदा— यह मेरा ध्येय न था । शायद तुम मुझे पलायनवादी कहो, पर जब एक द्वार मेरे सामने खुल रहा है तो मैं क्यों न निकल भागूँ !

अथवा

बसंत कब चुपके से आ गया, यह सुषमा को पता ही न चला । आम के पेड़ बौर से ढक गए थे । और नींबू के फूलों की सुगंध मतवाली-सी सब ओर भटकने लगी थी । कहीं-कहीं गुलमुहर का एक गुच्छा ..... धरती की उत्तप्त उसाँसे .... सुषमा को नई उदासी ने घेर लिया ।

6. निम्नलिखित गद्यांश का निर्देशानुसार रचना-कौशल स्पष्ट कीजिए : 9

मासिक वेतन तो पूर्णमासी का चाँद है, जो एक दिन दिखाई देता है और घटते-घटते लुप्त हो जाता है । ऊपरी आय बहता हुआ स्रोत है, जिससे सदैव प्यास बुझती है । वेतन मनुष्य

देता है, इसी से उसमें वृद्धि नहीं होती । ऊपरी आमदनी ईश्वर देता है, इसी से उसमें बरकत होती है । तुम स्वयं विद्वान हो, तुम्हें क्या समझाऊँ ? (**निर्देश** – भाव सौंदर्य)

अथवा

मैंने गौर से देखा–उसकी हँसी के पीछे घृणा, वितृष्णा और गुस्से का विशाल समंदर पछाड़ें मार रहा था । उसकी छाती उघड़ी हुई थी । कुर्ते के बटन टूटे हुए थे । कारखाने के विशालकाय फाटक की तरह खुले हुए कुर्ते के गले के भीतर उसकी छाती के बाल हिल रहे थे, असंख्य मजूदरों की तरह, कारखाने के मेन गेट पर बैठे हुए । (**निर्देश** – भाषा-शैली)

This question paper contains **2** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **8966**

Unique Paper Code : **2052602** **F-4**

Name of the Paper : **रेडियो, टेलीविजन और सिनेमा**

Name of the Course : **हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार (Allied Course)**

Semester : **VI**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

1. जनमाध्यम के रूप में कम्युनिटी रेडियो के महत्त्व का आकलन कीजिए । 15

अथवा

रेडियो के विकास को विस्तार से समझाइए ।

2. टी.आर.पी. और दर्शक की दृष्टि से हिंदी मनोरंजन चैनलों की स्थिति पर विचार कीजिए । 15

अथवा

समाचार भाषा का किसी **एक** हिंदी समाचार चैनल की भाषा का सोदाहरण विश्लेषण कीजिए ।

3. पटकथा की अवधारणाएँ स्पष्ट करते हुए, पटकथा लेखन की विशेषताएँ बताइए । 15

अथवा

सिनेमा के विविध रूपों का उल्लेख करते हुए मुख्य धारा सिनेमा की विशेषताओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

P.T.O.

4. रेडियो साक्षात्कार की रिकॉर्डिंग करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ? विस्तार से बताइए । 15

अथवा

हैण्डीकैम फिल्म-निर्माण की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए ।

5. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : 8+7=15

(क) आकाशवाणी

(ख) एंकरिंग

(ग) सिनेमा और सेंसरशिप

(घ) अपनी पसन्दीदा फिल्म की समीक्षा ।